

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 09 July 2020

U.P. State B.Ed. 2020 Admission Test date has been fixed for 9th August, 2020 (Sunday), in accordance with the video conferencing held on 8th July 2020 under the guidance of Hon'ble Deputy Chief Minister. The Conferencing was attended by all the Vice Chancellors of State Universities, DMs of all Districts and Education Officers.

4,31,904 candidates are scheduled to appear in the entrance test. For the smooth conduct, 19 Nodal Centres have been made in 73 Districts of the State. No private college or school has been made test centre this time.

सूचनार्थ प्रेषित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बी.एड.-2020 परीक्षा की तिथि माननीय उपमुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिये गये निर्देशानुसार 09 अगस्त, 2020 दिन रविवार को दो पालियों में निर्धारित की गयी है।

उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बी.एड.-2020, प्रदेश के 73 जिलों में आयोजित की जायेगी तथा इसके लिये 19 नोडल केन्द्र बनाये गये हैं। प्रदेश में परीक्षार्थियों की संख्या 4,31,904 है। इस बार किसी भी प्राइवेट कालेज/विद्यालय को परीक्षा केन्द्र नहीं बनाया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

It is a proud privilege for the University of Lucknow to announce the receipt of over 4.04 crore Rupees under the Department of Science and Technology Program namely Promotion of University Research and Scientific Excellence (PURSE).

The University of Lucknow has the distinction of being the only state University that has been identified for this massive funding for developing scientific infrastructure in various departments of the science faculty. The DST-PURSE grant is sanctioned to those universities only which have a proven track record of very good research work which is substantiated by publications with very high impact factor and H-index.

The second phase of the DST-PURSE program was sanctioned to the University after successful completion of the first phase in the year 2017, in which a total sum of about Rs. 8.37 crore was sanctioned for 4 years. In the first instalment, more than Rs. 2.87 crore was sanctioned which was utilised by developing an advanced computation lab in the Department of Physics, Department of Mathematics and Astronomy and in the Department of Statistics. In the Department of Botany, Electrophoresis for compact system for molecular level analysis, micro centrifuge, Clevenger apparatus and advanced sample processing laboratory have been established. In the above sanctioned grant of the first year, 10 positions of laboratory and technical staff were also provided employment.

Unfortunately, more than 1 crore Rupees of this grant could not be utilised in the first two financial years of the program and this grant was returned to DST. The honourable Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai pursued the matter with DST through Prof. Vibhuti Rai, a senior professor at the University, who presented the progress report before a high powered expert committee at IIT Delhi in the month of February, 2020. The very impactful presentation along with the key achievements of the science departments of the University, by way of high quality publication records placed the University of Lucknow as one of the best DST-PURSE funded universities in the country for their performance. This performance not only allowed to get the sanction for the next year's grant, but also allowed the utilisation of the last year's lapsed grant. In a recent sanction order, the University has been sanctioned a sum of 4.04 crore for this financial year. This is a great achievement on the part of the University as under the present scenario of Covid-19 pandemic, all other government funded projects have been put on hold for the release of the grants at least for one year.

The University is soon going to constitute a steering committee of experts from the Faculty of Science to proceed further for procurement of equipments etc. in order to develop state-of-the-art laboratories at the University to the highest level in the 100th year of its existence.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च अँड साईंटिफिक एक्सलेन्स प्रोग्राम के तहत 4.04 करोड़ रुपये से अधिक राशि का अनुमोदन किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय को एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है, जिसे विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर विज्ञान-आधारिक संरचना विकसित करने के लिए वित्त पोषण के लिए पहचाना गया है। DST-PURSE अनुदान केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को स्वीकृत किया जाता है, जिनके पास बहुत अच्छे अनुसंधान कार्यों का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड होता है, जिसे प्रकाशनों के प्रभाव कारक (impact factor) और H-index के साथ प्रमाणित किया जाता है।

DST-PURSE कार्यक्रम का दूसरा चरण वर्ष 2017 में पहले चरण के सफल समापन के बाद विश्वविद्यालय को स्वीकृत किया गया था, जिसमें कुल 4 साल के लिए 8.37 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। पहली किस्त में, 2.87 करोड़ रुपये अनुमोदित हुए, जिसे भौतिकी विभाग, गणित और खगोल विज्ञान विभाग और सांख्यिकी विभाग में एक उन्नत संगणना प्रयोगशाला विकसित करके उपयोग किया गया। बाॅटनी विभाग में आणविक स्तर के विश्लेषण हेतु एलेक्ट्रोफोरेसिस का कॉम्पैक्ट सिस्टम, माइक्रो सेंटीफ्यूज, क्लेवेंजर उपकरण और उन्नत सांपल (sample) प्रसंस्करण प्रयोगशाला स्थापित किए हैं। उपरोक्त स्वीकृत अनुदान की सहायता से प्रयोगशाला और तकनीकी कर्मचारियों के 10 पदों को भी रोजगार प्रदान किया गया है।

दुर्भाग्य से, इस अनुदान के 1 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कार्यक्रम के पहले दो वित्तीय वर्षों में नहीं किया जा सका और यह अनुदान डीएसटी को वापस कर दिया गया। माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने डीएसटी के साथ विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर, प्रो विभूति राय के माध्यम से इस मामले का संज्ञान लिया। प्रो विभूति राय ने फरवरी, 2020 के महीने में आईआईटी दिल्ली में एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के समक्ष विश्वविद्यालय के PURSE अनुदान से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन रिकॉर्ड के साथ एक प्रभावशाली प्रस्तुति से यह बात स्पष्ट हुई कि विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों की प्रमुख उपलब्धियों की वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय देश के सबसे अच्छे DST-PURSE वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में से एक है। इस प्रदर्शन ने न केवल अगले वर्ष के अनुदान के लिए स्वीकृति प्राप्त की, बल्कि पिछले वर्ष के व्यपगत अनुदान के उपयोग की भी अनुमति पाने में सफल रही। हाल ही में स्वीकृत आदेश में, विश्वविद्यालय को इस वित्तीय वर्ष के लिए 4.04 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। यह विश्वविद्यालय की एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि कोविड -19 महामारी के वर्तमान परिदृश्य के तहत, अन्य सभी सरकारी वित्त पोषित परियोजनाओं पर कम से कम एक वर्ष के लिए रोक लगा दी गयी है।



लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

विश्वविद्यालय जल्द ही अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करने के लिए उपकरणों आदि की खरीद के लिए विज्ञान संकाय से विशेषज्ञों की एक संचालन समिति का गठन करने जा रहा है।